Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 23 July 2024

Dainik Jagran
Page - 02

नक्षत्रशाला तकनीक पर अध्ययन को गोवि ने बढ़ाया कदम

अनुबंध पत्र दिखातीं गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और व्राटिनो टेक्नालाजी के मुख्य तकनीकी अधिकारी सचिंद्र नाथ, कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी व अन्य • गोवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नक्षत्रशाला तकनीक पर अध्ययन के लिए कदम बढ़ाया है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने नक्षत्रशाला के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था व्राटिनो टेक्नालाजी के साथ अनुबंध किया है। अनुबंध पत्र पर सोमवार को विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी और व्राटिनो टेक्नालाजी की ओर से मुख्य तकनीकी अधिकारी सचिंद्र नाथ ने हस्ताक्षर किया।

अनुबंध के मुताबिक विश्वविद्यालय व व्राटिनो टेक्नालाजी नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन मशीन, नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन स्क्रीन, आब्जर्वेटरी, थ्री-डी तकनीक विकसित करने और खगोल विज्ञान के अनुसंधान में एक दूसरे का सहयोग करेंगे। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि व्राटिनो के विशेषज्ञों से विश्वविद्यालय के छात्र नक्षत्रशाला एवं वेधशाला विकसित करने की तकनीक सीखेंगे। साथ ही खगोल विज्ञान के शोध में व्राटिनो के साथ मिलकर काम भी करेंगे। इस दौरान डा.राजेश कुमार, डा.प्रभुनाथ प्रसाद, व्राटिनो के उमेश कुमार मौजूद रहे।

मल्टीमीडिया स्टूडियो के संचालन की हुई शुरुआत

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में लंबे इंतजार के बाद सोमवार को मल्टीमीडिया स्टूडियो का संचालन शुरू हो गया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के इस पहले मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन किया। मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर में बनाए गए इस स्टूडियो में शिक्षक आनलाइन कंटेंट और पाठ्यक्रम विकसित कर सकेंगे।

उद्घाटन करने के बाद कुलपति ने बताया कि आनलाइन और दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देने में यह स्टूडियो महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को 40 प्रतिशत क्रेडिट मूक के जरिए प्राप्त करने की अनुमति दी गई है, स्टूडियो के जरिये उनके लिए इस क्रेडिट को हासिल करना आसान हो जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय जल्द ही एक बड़े मल्टीमीडिया स्टूडियो का निर्माण करने जा रहा है, जो विश्वविद्यालय के सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी की बनने वाले नए भवन में स्थित होगा। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने सभी शिक्षकों से इस नई सुविधा का लाभ उठाने को अनुरोध किया। केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता मुर्मू ने कहा कि इस केंद्र का उद्देश्य शिक्षकों में नई क्षमता विकसित करना है। इस नई सुविधा से शिक्षक आनलाइन तथा दूरस्थ शिक्षा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान कर सकेंगे। इस दौरान प्रो. रजनीकांत पांडेय, प्रो. गौरहरी बेहरा, प्रो. संदीप कुमार, प्रो. कीर्ति पांडेय आदि मौजूद रहीं।

कालेज प्रबंधन से साझा की प्रवेश प्रक्रिया

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए परीक्षा संपन्न कराने और परिणाम घोषित करने के बाद आनलाइन काउंसलिंग की तैयारी पूरी करने में जुटा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रकोष्ठ ने सोमवार पहली बार केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा ले रहे कालेजों के प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक में कालेजों के प्रतिनिधियों को आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और उसमें कालेजों की भूमिका की जानकारी दी गई। जानकारी देते हुए प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि इस वर्ष पहली बार 20 से अधिक कालेज केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। आनलाइन काउंसलिंग में इस बार अभ्यर्थी विश्वविद्यालय परिसर के अतिरिक्त इन कालेजों को भी अपने अध्ययन केंद्र के विकल्प के रूप में चुन सकेंगे। इस बैठक का मकसद केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो रहे कालेजों को प्रक्रिया के प्रत्येक चरण से परिचित कराना तथा उनकी जिज्ञासाओं को शांत करना था। इस उद्देश्य में यह बैठक पूरी तरह सार्थक रही। डेढ़ घंटे से अधिक समय चली बैठक में सभी 21 कालेजों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रवेश प्रकोष्ठ की ओर से सबसे पहले प्रो. उदय सिंह ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से उन्हें आनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद प्रो. विजय कुमार व प्रो. संदीप कुमार ने काउंसलिंग के महत्वपूर्ण बिंदुओं के विषय में अवगत कराया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि बैठक का उद्देश्य प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े हर पहलू को पारदर्शी ढंग से रखना और सभी हितधारकों की जिज्ञासाओं का समाधान करना है।

Inext Page - 02

डीडीयू में मल्टीमीडिया स्टूडियो के संचालन की हुई शुरुआत

gorakhpur@inext.co.in
GORAKHPUR (22 July): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में लंबे इंतजार के बाद सोमवार को मल्टीमीडिया स्टूडियो का संचालन शुरू हो गया. कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के इस पहले मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन किया. मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर में बनाए गए इस स्टूडियो में शिक्षक आनलाइन कंटेंट और पाठ्यक्रम विकसित कर सकेंगे. उद्घाटन करने के बाद कुलपति ने बताया कि आनलाइन और दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देने में यह स्टूडियो महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. उन्होंने

बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को 40 प्रतिशत क्रेडिट मूक के जरिए प्राप्त करने की अनुमति दी गई है, स्टूडियो के जरिये उनके लिए इस क्रेडिट को हासिल करना आसान हो जाएगा. उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय जल्द ही एक बड़े मल्टीमीडिया स्टूडियो का निर्माण करने जा रहा है, जो विश्वविद्यालय के सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी की बनने वाले नए भवन में स्थित होगा.

नई क्षमता होगी विकसित

कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने सभी शिक्षकों से इस नई सुविधा का लाभ उठाने को अनुरोध किया. केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता मुर्मू ने कहा कि इस केंद्र का उद्देश्य शिक्षकों में नई क्षमता विकसित करना है. इस नई सुविधा से शिक्षक आनलाइन तथा दूरस्थ शिक्षा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान कर सकेंगे. इस दौरान प्रो. रजनीकांत पांडेय, प्रो. गौरहरी बेहरा, प्रो. संदीप कुमार, प्रो. कीर्ति पांडेय आदि मौजूद रहीं.

डीडीयू और व्राटिनो के बीच हुआ ओएमयू

gorakhpur@inext.co.in
GORAKHPUR (22 July): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नक्षत्रशाला तकनीक पर अध्ययन के लिए कदम बढ़ाया है. इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने नक्षत्रशाला के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था व्राटिनो टेक्नालाजी के साथ अनुबंध किया है. अनुबंध पत्र पर सोमवार को विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी और व्राटिनो टेक्नालाजी की ओर से मुख्य तकनीकी अधिकारी सचिंद्र नाथ ने हस्ताक्षर किया.

अनुबंध के मुताबिक विश्वविद्यालय व व्राटिनो टेक्नालाजी नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन मशीन, नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन स्क्रीन, आब्जर्वेटरी, थ्री-डी तकनीक विकसित करने और खगोल विज्ञान के अनुसंधान में एक दूसरे का सहयोग करेंगे. कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि व्राटिनो के विशेषज्ञों से विश्वविद्यालय के छात्र नक्षत्रशाला एवं वेधशाला विकसित करने की तकनीक सीखेंगे. साथ ही खगोल विज्ञान के शोध में व्राटिनो के साथ मिलकर काम भी करेंगे. इस दौरान डा.राजेश कुमार, डा.प्रभुनाथ प्रसाद, व्राटिनो के उमेश कुमार मौजूद रहे.

न्यू एजुकेशन पॉलिसी का रिव्यू करेगा डीडीयू

gorakhpur@inext.co.in
GORAKHPUR (22 July): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी में पिछले सेशन में लागू हुई न्यू एजुकेशन पॉलिसी का रिव्यू करने जा रही है. इसमें स्टूडेंट्स को आ रही समस्या का पता लगाने के साथ उसके समाधान का भी प्रयास किया जाएगा. दरअसल, न्यू एजुकेशन पॉलिसी लागू होने के बाद से छात्रों को पढ़ाई को लेकर कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इससे न केवल उनकी पढ़ाई पर असर पड़ रहा है बल्कि छात्रों की बौद्धिक क्षमता भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है. मौजूदा व्यवस्था से तालमेल न बिठा पाने वाले छात्र निराश होकर पढ़ाई से दूरी बना रहे हैं. इसे देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने अपने कैंपस के साथ ही कॉलेजों में लागू न्यू एजुकेशन पॉलिसी के कोर्सेस का रिव्यू करने की ठानी है. इसका उद्देश्य स्टूडेंट्स को इंडो एजुकेशनल एटमॉस्फियर प्रोवाइड कराना है.

स्टूडेंट्स के लिए इफेक्टिव होगी नई व्यवस्था

डीडीयू में न्यू एजुकेशन पॉलिसी का रिव्यू करने के बाद लागू होने वाली व्यवस्था स्टूडेंट्स के मजाफिक से काफी इफेक्टिव होगी. इसमें वे सभी उपाय लागू किए जाएंगे, जिससे छात्रों को क्लासरूम एजुकेशन के लिए प्रेरित किया जा सके. वहीं, नई व्यवस्था में छात्रों को एग्जाम के भय से मुक्त करते हुए नॉलेज बढ़ाने के लिए विभिन्न एक्टीविटीज भी शामिल किया जाएगा.

एमसीक्यू तो दूसरा होगा सब्जेक्टिव

यूनिवर्सिटी में इस सेशन में न्यू एजुकेशन पॉलिसी का रिव्यू करने के बाद यूजी कोर्सेज के सेमेस्टर एग्जाम पैटर्न को पूरी तरह से बदला जाएगा. नई व्यवस्था के तहत यूजी कोर्सेज में एक सेमेस्टर के एग्जाम एमसीक्यू तो दूसरे सेमेस्टर के एग्जाम सब्जेक्टिव पैटर्न पर आयोजित होंगे. इससे छात्रों की लेखन क्षमता का विकास होने के साथ ही उनकी बौद्धिक क्षमता भी विकसित होगी.

> न्यू एजुकेशन पॉलिसी को लागू करने के बाद छात्रों को हो रही मुश्किल जानने के लिए यूनिवर्सिटी की ओर से यूजी और पीजी दोनों कोर्सेज का रिव्यू किया जाएगा. इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को आसान शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना है. स्टूडेंट बिना किसी दबाव के अपनी पढ़ाई पर फोकस कर सकेंगे. यूनिवर्सिटी की ओर से हरसंभव उपाय किए जाएंगे.
> - प्रो. पूनम टंडन, वीसी

बदला जाएगा एग्जामिनेशन सिस्टम

इस सेशन से यूनिवर्सिटी में अक्टाक चल रहे एग्जामिनेशन सिस्टम को भी बदला जाएगा. दरअसल, यूनिवर्सिटी में यूजी कोर्सेज के सेमेस्टर एग्जाम एमसीक्यू फार्मेट में आयोजित होते है. इससे छात्र स्लेबस को समझने की बजाय रट कर परीक्षा देने पर ज्यादा जोर दे रहे हैं. नतीजा छात्रों की लेखन क्षमता के साथ ही उन की बौद्धिक क्षमता भी बुरी तरह से प्रभावित होती है. एमसीक्यू होने की वजह से छात्र क्लासरूम में जाने की बजाय एग्जाम से कुछ दिन पहले क्वेश्चन-आंसर की सिरीज रटकर एग्जाम देना ज्यादा आसान समझते है. अगर पिछले सालों में पासआउट हुए स्टूडेंट्स की बात करें तो कुछ छात्र ऐसे हैं जो ग्रेजुएशन डिग्री लेने के बावजूद एक अप्लीकेशन तक ठीक से नही लिख पाते हैं. वही बात पीजी स्टूडेंट्स की करें तो वे पढ़ाई से ज्यादा परीक्षा को लेकर चिंतित नजर आते है, क्योंकि यूनिवर्सिटी में कोर्स पूरा हो या न हो यहां एग्जाम निर्धारित समय पर ही आयोजित होते है. वही, न्यू एजुकेशन पॉलिसी के अनुसार चल रहे लगभग सभी कोर्सेज में स्टीक स्लेबस की किताबें उपलब्ध नहीं हैं. छात्रों को एग्जाम देने के लिए यहां नेट पर स्लेबस खोजना पड़ता है.

Amar Ujala
Page - 07

डीडीयू में मल्टीमीडिया स्टूडियो का कुलपति ने किया उद्घाटन

विश्वविद्यालय में पहले मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन। साथ में अन्य शिक्षक मौजूद रहे। स्रोत : डीडीयू

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के पहले मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन किया। मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर में इस स्टूडियो का निर्माण किया गया है।

कुलपति ने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वह इस स्टूडियो का प्रयोग कर ऑनलाइन कंटेंट और पाठ्यक्रम विकसित करें।ग्रॉस एनरोलमेंट रेश्यो को बढ़ाने में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। कुलपति ने बताया कि हमने विद्यार्थियों को 40 प्रतिशत क्रेडिट स्वयं या मूक के ऑनलाइन कोर्सेज के माध्यम करने की अनुमति दे रखी है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही एक बड़े मल्टीमीडिया स्टूडियो का निर्माण करने जा रहा है जो विश्वविद्यालय के सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी की बनने वाली नई बिल्डिंग में स्थित होगा। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने सभी शिक्षकों से इस नई सुविधा का लाभ उठाने को कहा। इस दौरान एमएमटीटीसी की निदेशक प्रो. सुनीता मुर्मू, प्रो. गौरहरी बेहरा, प्रो. संदीप कुमार, प्रो. रजनीकांत पांडेय, प्रो. कीर्ति पांडेय मौजूद रहीं।

डीडीयू : नक्षत्रशाला तकनीक पर कार्य के लिए एमओयू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने सोमवार को व्राटिनो टेक्नोलॉजी के साथ समझौता किया गया। एमओयू के मुताबिक दोनों एक दूसरे को उन्नत नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन मशीन, नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन स्क्रीन, ऑब्जर्वेटरी, थ्री-डी तकनीक विकसित करने और खगोल विज्ञान के अनुसंधान में सहयोग करेंगे। समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी और व्राटिनो टेक्नोलॉजी के निदेशक सचिंद्र नाथ ने हस्ताक्षर किया।

व्राटिनो टेक्नोलॉजी के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि व्राटिनो के विशेषज्ञों से विश्वविद्यालय के छात्र नक्षत्रशाला एवं वेधशाला विकसित करने की तकनीक सीखेंगे। साथ ही खगोल विज्ञान के शोध में व्राटिनो के साथ मिलकर काम भी करेंगे। इस दौरान डॉ. राजेश कुमार, डॉ. प्रभुनाथ प्रसाद, व्राटिनो के उमेश कुमार उपस्थित रहे। संवाद

Hindustan
Page - 06-

नक्षत्रशाला तकनीक पर कार्य के लिए एमओयू

गोरखपुर। डीडीयू ने सोमवार को व्राटिनो टेक्नोलॉजी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इसके तहत दोनों एक दूसरे को उन्नत नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन मशीन, नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन स्क्रीन, ऑब्जर्वेटरी, थ्री-डी तकनीक विकसित करने और खगोल विज्ञान के अनुसंधान में सहयोग करेंगे। इस पर डीडीयू की ओर से कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी और व्राटिनो के निदेशक सचिंद्र नाथ ने हस्ताक्षर किया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि छात्र नक्षत्रशाला एवं वेधशाला विकसित करने की तकनीक सीख सकेंगे।

डीडीयू में आज छह पुस्तकों का होगा लोकार्पण

गोरखपुर। डीडीयू के संवाद भवन में 23 जुलाई को दोपहर 1 बजे से अलग-अलग लेखकों द्वारा प्राचीन इतिहास पर लिखित कुल छह पुस्तकों का लोकार्पण कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। डीडीयू में अयोध्या अध्ययन केंद्र के समन्वयक और लोकार्पण समारोह के संयोजक प्रो. राजवंत राव ने बताया कि अतीत में संस्कृतियों के बीच संवाद ने रचनात्मक भूमिका निभाई है। इसी संवाद को ध्यान में रखते हुए पुस्तकें लिखी गई हैं। प्राचीन इतिहास की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने बताया कि शोध व संवाद की दिशा में यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।

मल्टीमीडिया स्टूडियो का किया उद्घाटन

गोरखपुर। डीडीयू में सोमवार को कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने विवि के पहले मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन किया। मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर में इस स्टूडियो का निर्माण किया गया है। यह स्टूडियो विवि द्वारा प्रस्तावित ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा में अहम भूमिका निभाएगा।कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने सभी शिक्षकों से इस नई सुविधा का लाभ उठाने को कहा। इस दौरान एमएमटीटीसी की निदेशक प्रो. सुनीता मुर्मू, प्रो. गौरहरी बेहरा, प्रो. संदीप कुमार, प्रो. रजनीकांत पांडेय, प्रो. कीर्ति पांडेय आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala Select
Page - 04

मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन

मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन करतीं कुलपति व अन्य शिक्षक।

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय के पहले मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन किया। मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर में इस स्टूडियो का निर्माण किया गया है। कुलपति ने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वह इस स्टूडियो का प्रयोग कर ऑनलाइन कंटेंट और पाठ्यक्रम विकसित करें।ग्रॉस एनरोलमेंट रेश्यो को बढ़ाने में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। कुलपति ने बताया कि हमने विद्यार्थियों को 40 प्रतिशत क्रेडिट स्वयं या मूक के ऑनलाइन कोर्सेज के माध्यम करने की अनुमति दे रखी है।

नक्षत्रशाला तकनीक पर कार्य के लिए एमओयू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने सोमवार को व्राटिनो टेक्नोलॉजी के साथ समझौता किया गया। एमओयू के मुताबिक दोनों एक दूसरे को उन्नत नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन मशीन, नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन स्क्रीन, ऑब्जर्वेटरी, थ्री-डी तकनीक विकसित करने और खगोल विज्ञान के अनुसंधान में सहयोग करेंगे। समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी और व्राटिनो टेक्नोलॉजी के निदेशक सचिंद्र नाथ ने हस्ताक्षर किया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि व्राटिनो के विशेषज्ञों से विश्वविद्यालय के छात्र नक्षत्रशाला एवं वेधशाला विकसित करने की तकनीक सीखेंगे। साथ ही खगोल विज्ञान के शोध में व्राटिनो के साथ मिलकर काम भी करेंगे। इस दौरान डॉ. राजेश कुमार, डॉ. प्रभुनाथ प्रसाद, व्राटिनो के उमेश कुमार उपस्थित रहे।

Rashtriya Sahara
Page - 07

डीडीयू के मल्टीमीडिया स्टूडियो का कुलपति ने किया उद्घाटन

गोरखपुर (एसएनबी)। मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर द्वारा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में निर्मित पहले मल्टी मीडिया स्टूडियो का सोमवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति ने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वह इस स्टूडियो का प्रयोग कर ऑनलाइन कंटेंट तथा कोर्सेज विकसित करने के लिए करें।

कुलपति ने कहा कि ग्रास एनरोलमेंट रेश्यो को बढ़ाने में ऑनलाइन तथा दूरस्थ शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षकों को स्वयं और मूक पाठ्यक्रम विकसित करने की आवश्यकता है। कुलपति ने बताया कि हमने विद्यार्थियों को 40 प्रतिशत क्रेडिट स्वयं या मूक के ऑनलाइन कोर्सेज के माध्यम से करने की अनुमति दे रखी है।

जल्द ही होगा बड़े मल्टीमीडिया स्टूडियो का निर्माण: कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही एक बड़े मल्टीमीडिया स्टूडियो का निर्माण करने जा रहा है जो विश्वविद्यालय के सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी की बनने वाली नई बिल्डिंग में स्थित होगा। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी ने भी सभी शिक्षकों से इस नई सुविधा का लाभ उठाने तथा नए ऑनलाइन कोर्सेज विकसित करने को प्रेरित किया।

- स्टूडियो में ऑनलाइन कंटेंट एवं कोर्स विकसित करेंगे शिक्षक
- विद्यार्थियों को क्रेडिट पूरा करने में मिलेगी मदद

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर की निदेशक प्रो. सुनीता मुर्मू ने कहा कि इस केंद्र का उद्देश्य शिक्षकों में नई क्षमता विकसित करना है। इस नई सुविधा से शिक्षक ऑनलाइन तथा दूरस्थ शिक्षा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान कर सकेंगे। वह स्टूडियो ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

प्रोफेसर मुर्मू ने इस स्टूडियो के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विश्वविद्यालय के ऑनलाइन तथा दूरस्थ शिक्षा केंद्र के निदेशक प्रोफेसर गौरहरी बेहरा तथा कार्य अधीक्षक प्रोफेसर संदीप कुमार को भी धन्यवाद दिया। इस अवसर पर केंद्र के पूर्व निदेशक प्रो. रजनीकांत पांडेय, प्रो. कीर्ति पांडे, अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्षों तथा शिक्षकों के साथ स्टूडियो का निर्माण करने वाले हार्ड माइक्रोसिस के डीलेट कबीर व अन्य मौजूद रहे।

डीडीयूजीयू में ऑनलाइन काउंसिलिंग की तैयारियां शुरू

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए परीक्षा संपन्न कराने और परिणाम घोषित करने के बाद आनलाइन काउंसलिंग के लिए व्यवस्थित तैयारियां प्रारंभ कर दी है। इस क्रम में प्रवेश प्रकोष्ठ ने सोमवार को पहली बार केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा ले रहे महाविद्यालयों के प्राचार्यगण एवं प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की।

बैठक में महाविद्यालयों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों तथा महाविद्यालयों की भूमिका के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया 25 जुलाई से शुरू हो रही है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि इस वर्ष पहली बार 20 से अधिक महाविद्यालय केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। ऑनलाइन काउंसलिंग में इस बार अभ्यर्थी विश्वविद्यालय परिसर के अतिरिक्त इन महाविद्यालयों को भी अपने अध्ययन केंद्र के विकल्प के रूप में चुन सकता है। इस बैठक का मकसद केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो रहे महाविद्यालय को प्रक्रिया के प्रत्येक चरण से परिचित कराना तथा उनकी जिज्ञासाओं का शमन करना था। इस उद्देश्य में यह बैठक पूरी तरह सार्थक रही। डेढ़ घंटे से अधिक समय चली बैठक में 21 महाविद्यालय के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रवेश प्रकोष्ठ की ओर से सबसे पहले प्रो० उदय सिंह ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से उन्हें आनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। इसके पश्चात प्रोफेसर विजय कुमार एवं प्रो संदीप कुमार ने काउंसलिंग के महत्वपूर्ण बिंदुओं के विषय में अवगत कराया तथा अंत में उनकी जिज्ञासाओं के विषय में उन्हें विस्तार से जानकारी दी गई।

- प्रवेश में हिस्सा लेने वाले महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों संग बैठक
- 20 से अधिक महाविद्यालय केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में होंगे शामिल
- ऑनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया से कराया गया अवगत

डीडीयू व व्राटिनो टेक्नोलॉजी के बीच अनुबंध

dd comments

...दीन दयाल ...य ने अपने छात्रों को आधुनिक नक्षत्रशाला तकनीक, नवाचार और अंतरिक्ष विज्ञान के शोध में दक्ष बनाने के लिए नक्षत्रशाला उपकरणों, एस्ट्रोनॉमी आउटरीच एवं स्पेस साइंस के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था व्राटिनो टेक्नोलॉजीज गोरखपुर के साथ महत्वपूर्ण करार किया है। इसको लेकर दोनों संस्थाओं के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है। दोनों साथ मिलकर उन्नत नक्षत्रशाला तकनीक पर कार्य करेंगे।

इस समझौते के मुताबिक दोनों एक दूसरे को उन्नत नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन मशीन, नक्षत्रशाला प्रोजेक्शन स्क्रीन, ऑब्जर्वेटरी 3-डी तकनीक विकसित करने एवं खगोल विज्ञान के अनुसंधान में सहयोग करेंगे।

शोध का अवसर : प्रो. पूनम टंडन

करार के बाद कुलपति प्रो. पूनम टंडन जिनका खगोलशास्त्र शोध क्षेत्र रहा है, उन्होंने बताया की व्राटिनो के विशेषज्ञों से विश्वविद्यालय के छात्र नक्षत्रशाला एवं वेधशाला विकसित करने की तकनीक सीखेंगे साथ ही साथ खगोल विज्ञान के शोध में व्राटिनो के साथ मिलकर काम भी करेंगे। इस तकनीक के विकास से भारत में चल रहे महंगे विदेशी नक्षत्रशाला उपकरण सस्ते दर पर स्वदेशी तकनीक से उपलब्ध होंगे।

यह स्वदेशी तकनीक होगी जो सस्ती भी होगी : प्रो. शांतनु रस्तोगी

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार एवं ख्यातिलब्ध भौतिकशास्त्री प्रो. शांतनु रस्तोगी जो एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट भी रहे हैं उन्होंने जोर दिया की यह स्वदेशी तकनीक होगी जो सस्ती होगी इससे भारत में आबादी के हिसाब से नक्षत्रशाला की कमी को दूर किया जा सकेगा एवं आम जनमानस के लिए ज्यादा से ज्यादा नक्षत्रशाला बन पायेंगे जिससे लोग ब्रह्माण्ड के रहस्य को समझने और जिज्ञासा पूरी कर सकेंगे।

विवि में व्राटिनो टेक्नोलाजी के निदेशक सचिन्द्र नाथ के साथ करार करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

- उन्नत नक्षत्रशाला तकनीक पर मिलकर करेंगे काम
- डीडीयू के छात्र वेधशाला व नक्षत्रशाला विकसित करने की सीखेंगे तकनीक

समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो.शांतनु रस्तोगी और व्राटिनो टेक्नोलॉजी, गोरखपुर की ओर से निदेशक सचिन्द्र नाथ ने हस्ताक्षर किया है।

खगोलशास्त्र के छात्रों को मिलेगा सहयोग : सचिन्द्र नाथ

व्राटिनो के निदेशक सचिन्द्र नाथ ने बताया की व्राटिनो का उद्देश्य है भारत में वैज्ञानिक ज्ञान के उन्नयन में योगदान देना है जिसके अंतर्गत प्रदेश में एक मात्र कार्य कर रही व्राटिनो की संस्कार वेधशाला को विश्वविद्यालय के एस्ट्रोफिजिक्स के छात्रों के लिए हम उपलब्ध कराएंगे। जहां छात्र-छात्राएं अपने समय के उपलब्धता के अनुसार कार्य कर सकेंगे। इस मौके पर डा. राजेश कुमार, डा. प्रभुनाथ प्रसाद एवं व्राटिनो के तकनीकी सहायक उमेश कुमार उपस्थित रहे।

Super Fast Times

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सुपर फास्ट टाइम्स
(कुशीनगर/गोरखपुर/बाराबंकी)

केंद्रीय उपकरण सुविधा के नए भवन में बड़े मल्टीमीडिया स्टूडियो का होगा निर्माण

- गोरखपुर विश्वविद्यालय के पहले मल्टीमीडिया स्टूडियो का कुलपति ने किया उद्घाटन

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो०पूनम टंडन ने सोमवार को विश्वविद्यालय के पहले मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन की। गोरखपुर विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर द्वारा इस मल्टीमीडिया स्टूडियो का निर्माण किया गया है। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि यह विश्वविद्यालय का पहला मल्टीमीडिया स्टूडियो है। उन्होंने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वह इस स्टूडियो का प्रयोग कर ऑनलाइन कंटेंट तथा कोर्सेज विकसित करें। कुलपति ने कहा कि ग्रोस एनरोलमेंट रेश्यो को बढ़ाने में ऑनलाइन तथा दूरस्थ शिक्षा का बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षकों को स्वयं और मूक पाठ्यक्रम विकसित करने की आवश्यकता है। कुलपति ने कहा कि हमने विद्यार्थिय